**CBSE प्रश्न पत्र 2019 (सेट-2)**

**कक्षा 11 हिन्दी (ऐच्छिक)**

**समय : 3 घण्टे**

**अधिकतम अंक : 80**

**सामान्य निर्देश:-**

- प्रश्न पत्र को चार भागों में बाँटा गया है।
- सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

   व्यक्ति चाहे शहर में रहता हो या गाँव में, महल में रहता हो या झोपड़ी में, बहुमंजिली इमारत के फ्लैट में रहता हो या स्वतंत्र बंगले में, वह किसी न किसी का पड़ोसी अवश्य है। बिना पास-पड़ोस के मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। एक समय था जब एक ही गाँव, शहर अथवा गली मुहल्ले में रहने वालों के बीच इतनी घनिष्ठता थी कि वे एक दूसरे के यहाँ बाहर से आए लोगों को उनके गंतव्य तक पहुँचा देते थे अथवा उनका पता बता देते थे। क्योंकि वे मिलनसार थे, उनके बीच अपनापन था, वे एक दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होते थे। लेकिन आज परिदृश्य पूरी तरह बदला हुआ है। एक ही इमारत में रहने वाले यह नहीं जानते कि पास वाले फ्लैट में कौन रहता है? तो गली मोहल्लों में रहने वालों से जान-पहचान होने का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता। वे रहते तो हैं आस-पास मगर अजनबियों की तरह। क्या इसी का नाम पड़ोस है?

   आज व्यस्त और भागमभाग भरे शहरी और महानगरीय जीवन में व्यक्ति अपने पास रहने वाले. तक को नहीं पहचानता। आखिर पास रहकर यह दूरी क्यों?

   आज महानगरों में रहने वाले लोग अपने आप में मस्त रहते हैं। उनका अपना एक अलग 'सोशल सर्कल' होता है उसी में उनकी बैठक है, आना जाना है। उनकी दुनिया वहीं तक सीमित है। उन्हें अपने आस-पास की दुनिया से कोई सरोकार नहीं । आस पड़ोस में अथवा अपने बहुमंजिले भवन में कौन रहता है? कौन नया व्यक्ति रहने आया है? और कौन छोड़कर गया है इससे किसी को कोई मतलब नहीं है।

   i. आज का महानगरीय जीवन कैसा है? (2)
   ii. व्यस्तता का शहरी जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा? (2)
   iii. पुराना समय कैसा था? (2)
   iv. महानगरीय लोग कैसे हैं? (2)
   v. किसके बिना मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं कर सकता?
   vi. आपके विचार से इस बदलाव का क्या कारण हो सकता है? (1)
   vii. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखें। (1)

2. निम्नलिखित पंद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जो नहीं हो सके पूर्ण काम
मैं उनको कहता हूँ प्रणाम!
कुछ कुठित और कुछ लक्ष्य-भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त तूणीर हुए।
-उनको प्रणाम्
जो छोटी-सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि-पार
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार
-उनको प्रणाम!
एकाकी और अकिंचन से,
जो भू–परिक्रमा को निकले;
हो गए पंगु, प्रति-पद जिनके
इतने अदृष्य के दाँव चले।
-उनको प्रणाम!
कृतकृत्य नहीं जो हो पाए,
प्रत्युत फाँसी पर गए झूल;
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल!
-उनको प्रणाम!
थी उग्र साधना, पर जिनका
जीवन नाटक दुखांत हुआ; था
था जन्म काल में सिंह लग्न
पर कुसमय ही देहांत हुआ!
-उनको प्रणाम!

i. कवि किनको प्रणाम करता है और क्यों? (1)
ii. 'छोटी सी नैया' से कवि का क्या आशय है? उनका क्या हश्र हुआ? (1)
iii. कृतकृत्य कौन नहीं हो पाए? दुनिया ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया? (1)
iv. एकाकी का अर्थ बताइए। (1)
v. इस कविता के माध्यम से कवि कहना क्या चाहता है? (1)

**खण्ड-'ख' - कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन**


the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of Modern Technology

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (8)
   i. बाल मजदूरी : एक अभिशाप
   ii. देश की प्रगति में युवा शक्ति का योगदान
   iii. उपभोक्ता संस्कृति का बढ़ता प्रभाव
   iv. मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
4. हिंसा प्रधान मोबाइल गेम व फिल्मों को देखकर बाल वर्ग पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव का वर्णन करते हुए दैनिक पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (5)

**अथवा**

यात्रा में रेल-कर्मचारी के अभद्र व्यवहार की शिकायत करते हुए रेल-अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:- (कोई चार) (1×4=4)
   i. संचार किसे कहते हैं? (1)
   ii. समाचार किसे कहते हैं? (1)
   iii. 'फीडबैक' क्या है? (1)
   iv. डीकोडिंग किसे कहते हैं? (1)
   v. अंतर-वैयक्तिक संचार किसे कहते हैं? (1)
6. 'दिल्ली पड़ने वाली शरद ऋतु' अथवा 'राम एक जननायक' विषय पर फीचर लिखें।

**अथवा**

आपके विद्यालय में सम्पन्न हुए खेल दिवस पर इस प्रतिवेदन लिखिए।

**अथवा**

विद्यालय में छात्रों की अनुशासनहीनता के विषय में अनुशासन समिति की बैठक हुई इस विषय पर एक कार्यवृत्त तैयार कीजिए।

## खण्ड-'ग' - पाठ्यपुस्तक-1

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:- (6)

दुर्गम बर्फानी घाटी में
शत-सहस्र फुट ऊँचाई पर
अलख नभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल-
के पीछे धावित हो - होकर
तरल तरूण कस्तूरी मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।

**अथवा**

झहरि-झहरि झीनी बूँद हैं परति मानो,

घहरि-घहरि घटा घेरी है गगन में।
आनि कह्यो स्याम मो सौं 'चलौ झूलिबे को आज'
फूली न समानी भई ऐसी हौं मगन मैं।
चहत उठ्योई उठि गई सो निगोड़ी नींद,
सोए गए भाग मेरे जानि वा जगन में।
आँख खोलि देखौं तो न धन हैं न घनश्याम
वेई छाई बूँदें मेरे आँसु छवै दृगन मैं।।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। (कोई दो) (2×2=4)
   i. 'मगध अब कहने को मगध है, रहने को नहीं' - के आधार पर मगध की स्थिति को अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
   ii. 'पत्नी की आँखें, आँखें नहीं हाथ है', से कवि का क्या अभिप्राय है?
   iii. संध्या के समय प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं? कविता के आधार पर लिखिए। (संध्या के बाद)
9. निम्नलिखित काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। (कोई दो) (3×2=6)
   i. विश्व का क्रंदन भुला देगी मधुप की मधुर गुनगुन,
   क्या डुबो देंगें तुझे यह फूले दल ओस गीले?
   तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना
   जाग तुझको दूर जाना।
   ii. गोकुल के कुल के गली के गोप गाउन के
   जौ लागि कछू- को-कछू भाखत बने नहीं
   कहै पद्माकर परोस-पिछवारन के,
   द्वारन के दौरि गुन-औगुन गनैं नहीं।
   तौ लौं चलित चतुर सहेली यादि कौऊ कहूँ,
   नीके के निचौरे ताहि करत मनैं नहीं।
   हौं तो स्याम-रंग में चुराई चित चोरा चोरी,
   बोरत तौं बोर्यो पै निचोरत बनै नहीं।।
   iii. "माँ की आँखें पड़ाव से पहले ही तीर्थयात्रा की बस के दो पंचर पहिए है।"
10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (5)

"अजी ये परदेसी कौन लगते है हमारे जो बरबस राजभक्ति बनाए रखने के लिए हमारी छाती पर तोप का मुँह लगाए अड़े और खड़े हैं। उफ! इस देश के लोगों के हिये की आँखें मूंद गई हैं। तभी तो इतने जुल्मों पर भी आदमी आदमी से डरता है। ये लोग शरीर की रक्षा के लिए अपनी-अपनी आत्मा की चिता सँवारते फिरते हैं। नाश हो इस परतंत्रवाद का।

**अथवा**

सिद्धेश्वरी पर जैसे नशा चढ़ गया था। उन्माद की रोगिणी की भाँति बड़बड़ाने लगी पागल नहीं है, बड़ा होशियार है। उस ज़माने का कोई महात्मा है। मोहन तो उसकी बड़ी इज्ज़त करता है। आज कह रहा था कि भैया की शहर में बड़ी इज्ज़त होती है, पढ़ने-लिखने वालों का बड़ा आदर होता है और बड़का तो छोटे भाइयों पर जान देता है। दुनिया में वह सब कुछ सह सकता है, पर यह


the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of Modern Technology

नहीं देख सकता कि उसके प्रमोद को कुछ हो जाए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। (कोई दो ) (3× 2=6)
    i. हामिद ने चिपटे की उपयोगिता को सिद्ध करते हुए क्या-क्या तर्क दिए।
    ii. पाँच साल बाद दोनों दोस्तों की मुलाकात किन परिस्थितियों में और कहाँ होती है?
    iii. गूँगे ने अपने स्वाभिमानी होने का परिचय किस प्रकार दिया?
    iv. जसदेव की पिटाई के बाद मजदूरों का समूचा दिन कैसे बीता?
12. 'प्रेमचंद' अथवा 'भारतेन्दु हरिशचन्द्र' के जीवन व रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (5)

**अथवा**

सूरदास अथवा नागार्जुन के जीवन व रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

## खण्ड-'घ' पाठ्यपुस्तक-2

13. 'एकाकी में जो अम्मा की तस्वीर उभरती है, अंत में वह बिल्कुल बदल जाती है'- टिप्पणी कीजिए। (4)

**अथवा**

उस समय वह सोच भी नहीं सकता था कि मनुष्य को दुःख पहुँचाने के अलावा भी साहित्य का कोई उद्देश्य हो सकता है। लेखक ने ऐसा क्यों कहा? आपके विचार से साहित्य के कौन-कौन से उद्देश्य हो सकते हैं?

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए:- (कोई दो) (4× 2=8)
    i. दुकान पर बैठे-बैठे भी मकबूल के भीतर का कलाकार उनके किन कार्यकलापों से अभिव्यक्त हुआ है?
    ii. राधा के चरित्र की ऐसी कौन-सी विशेषताएँ हैं जिन्हें आप अपनाना चाहेंगें।
    iii. नाना के घर किन-किन बातों का निषेध था? शरत् को उन निषिद्ध कार्यों को करना क्यों प्रिय था?


the Online Gurukul
Traditional Method Of Learning With The Help Of Modern Technology